खा गया नन्दलाल माखन चोरी से

भजन के शब्द :
खा गया नन्दलाल माखन चोरी से ।
कर लिया तकरार बिरज की छोरी से ।।

वो बोले तोतली बोली, ले संग ग्वालों की टोली ।
पकड़े जाने पर छलिया, कर लेता सूरत भोली ।।
और वरजोरी से, कर लिया....

माखन को यदि ना देतीं, पनघट पे बहुत सताता ।
जब यशुदा से बतलातीं, तब आँसू खूब बहाता ॥
प्रेम की डोरी से, कर लिया....

बछड़ी-बछड़ों को छोड़े, मटकी-मटकों को तोड़े ।
छछिया भर छाँछ पे नाचे, तो कभी वो बाँह मरोड़े ॥
कान्त सखि गोरी से, कर लिया....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33976/title/kha-gaya-nandlal-makhan-chori-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |